1 रचना के आधार पर वाक्य भेद

विचारों को भाषा के माध्यम से प्रकट किया जाता है। वाक्य भाषा की मुख्य इकाई है। इसके द्वारा किसी भाव को पूर्ण रूप से व्यक्त किया जा सकता है। भाषा की मुख्य इकाई वाक्य है, जिससे किसी भाव को पूरी तरह से प्रकट किया जा सकता है। उपर्युक्त कथन से दो मुख्य बातें स्पष्ट होती हैं–

(*i*) वाक्य शब्दों की वह इकाई है जो रचना की दृष्टि से अपने आप में स्वतंत्र है।

(*ii*) वाक्य किसी विचार, भाव या मंतव्य को पूर्णतया प्रकट करता है। *शब्दों का ऐसा सार्थक समूह जो व्यवस्थित हो तथा पूरा आशय प्रकट कर सके, वाक्य कहलाता है।* जैसे–सब बच्चे अध्यापिका की बात ध्यानपूर्वक सुन रहे हैं।

रचना के आधार पर वाक्य के तीन भेद हैं–

(क) साधारण या सरल वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्रित वाक्य

(क) **साधारण या सरल वाक्य**–जिस वाक्य में एक ही उद्देश्य और एक ही विधेय हो, उसे सरल या साधारण वाक्य कहते हैं। सरल वाक्य में एक ही मुख्य क्रिया होती है तथा एक ही कर्ता होना ज़रूरी है जैसे–बच्चे भाग रहे हैं।

यहाँ 'बच्चे' कर्ता तथा 'भाग रहे हैं' क्रिया है।

सरल वाक्य में कर्ता और क्रिया के अतिरिक्त कर्म, विशेषण, क्रिया-विशेषण एवं कारक आदि हो सकते हैं। जैसे–

बच्चे ने	खाना	धीरे-धीरे	खाया।
कर्ता कर्म	क्रिया-विशेषण	क्रिया	

(ख) **संयुक्त वाक्य**–जिस वाक्य में दो या दो से अधिक खंड वाक्य स्वतंत्र रूप से योजक द्वारा मिले हों, उसे संयुक्त वाक्य कहते हैं। जैसे–

मोहन ने खाना खाया और सो गया।

मैंने उसे पढ़ाया और नौकरी दिलवाई।

पहले वाक्य में 'मोहन ने खाना खाया' तथा 'सो गया', दूसरे वाक्य में 'मैंने उसे पढ़ाया' तथा 'नौकरी दिलवाई' पूर्ण अर्थ देने वाले वाक्य हैं 'और' योजक से जुड़े हैं। पहचान के लिए अन्य योजक–तथा, फिर, या, अथवा, अन्यथा, किंतु, लेकिन, इसलिए, परंतु, अंतः।

(ग) **मिश्रित (मिश्र) वाक्य**–जिस वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य हो तथा अन्य आश्रित उपवाक्य आएँ, उसे मिश्रित वाक्य कहते हैं। जैसे–

जब भी मैं उसके घर गया, उसने मेरा सत्कार किया।

'उसने मेरा सत्कार किया'–प्रधान उपवाक्य है।

'जब भी मैं उसके घर गया'–आश्रित उपवाक्य है।

अध्यापक चाहता है कि उसके शिष्य अच्छे बनें।

'अध्यापक चाहता है'–प्रधान उपवाक्य है।

'उसके शिष्य अच्छे बनें।'–आश्रित उपवाक्य है।

पहचान के लिए अन्य योजक–जो, जब, तब, यदि, अगर, तो, जिसे, जिसने, जिसको, जहाँ, जैसे-जैसे, कि, वहाँ.....जहाँ आदि।

रचना के आधार पर वाक्य-भेद का नामोल्लेख

(क) मैं उस व्यक्ति को जानता हूँ, जिसने तुम्हारी साइकिल चुराई है।	(मिश्रित वाक्य)
(ख) प्रातः काल होता है और चिड़ियाँ चहचहाने लगती हैं।	(संयुक्त वाक्य)
(ग) जो सबकी भलाई करता है, वह सबका प्रिय होता है।	(मिश्रित वाक्य)
(घ) जो समुद्र में गोता लगाएगा, वह ही मोती पाएगा।	(मिश्रित वाक्य)
(ङ) जब भी जाना चाहो, आप चले जाना।	(मिश्रित वाक्य)
(च) जब भी मुझे आवश्यकता हुई, मित्रों ने मेरी सहायता की।	(मिश्रित वाक्य)

Scanned with CamScanner

(छ) आज ऐसा व्यक्ति कौन है, जिसने महात्मा गांधी का नाम न सुना हो। (मिश्रित वाक्य)
(ज) वह आ जाए, तो उसे मेरे पास भेज देना। (मिश्रित वाक्य)
(झ) द्वितीय प्रश्न करो अथवा तृतीय प्रश्न करो। (संयुक्त वाक्य)
(ञ) कल मैं बीमार था इसलिए विद्यालय नहीं आ सका। (संयुक्त वाक्य)
(ट) वह संसद-सदस्य, जिसे देश-भर में सर्वाधिक मत मिले हैं, आज हमारे घर आएगा। (मिश्रित वाक्य)
(ठ) ब्राह्मण वेद पाठ कर रहे हैं। (सरल वाक्य)
(ड) तुम प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हो। (सरल वाक्य)
(ढ) मुझे नौकरी मिले, तो चैन आए। (मिश्रित वाक्य)
(ण) दार्शनिक कहते हैं कि यह जगत मिथ्या है। (मिश्रित वाक्य)
(त) स्वागतार्थ आए हुए लोगों से घिरे श्रीकृष्ण ने नगर में प्रवेश किया। (सरल वाक्य)
(थ) मैंने उसे समझाया पर वह नहीं माना। (संयुक्त वाक्य)
(द) दूसरों के साथ मीठा बोलने वाले व्यक्ति सबके मन को भाते हैं। (सरल वाक्य)
(ध) मैंने वहीं मकान खरीदा है जहाँ आप रहते हैं। (मिश्रित वाक्य)
(न) परिश्रम करने वाले छात्र ही परीक्षा में सफ़ल होते हैं। (सरल वाक्य)

वाक्य रचनांतरण/रूपांतरण

वाक्य-रचनांतरण के अंतर्गत एक वाक्य को दूसरे प्रकार के वाक्य में परिवर्तित किया जाता है।

सरल वाक्य		संयुक्त वाक्य	
(क)	मज़दूर को अपनी मेहनत का लाभ नहीं मिलता।	(क)	मज़दूर मेहनत करता है लेकिन उसका लाभ उसे नहीं मिलता।
(ख)	वे लोग तैरने के लिए नदी पर गए थे।	(ख)	उन लोगों को तैरना था इसलिए वे नदी पर गए थे।
(ग)	थैला उठाकर माता जी बाज़ार की ओर चलीं।	(ग)	माता जी ने थैला उठाया और बाज़ार की ओर चलीं।
(घ)	राम और श्याम दोनों को दिल्ली जाना होगा।	(घ)	राम को भी दिल्ली जाना होगा और श्याम को भी दिल्ली जाना होगा।
(ङ)	मेरे बहुत समझाने पर भी वह न मानी।	(ङ)	मैंने उसे बहुत समझाया पर वह न मानी।
(च)	वह साड़ी खरीदने के लिए बाज़ार गई।	(च)	उसे साड़ी खरीदनी थी इसलिए वह बाज़ार गई।
(छ)	उसने घर आकर भोजन किया।	(छ)	वह घर आया और उसने भोजन किया।
(ज)	बहुत अच्छा खिलाड़ी होने पर भी प्रणव कभी फेल नहीं होता।	(ज)	प्रणव बहुत अच्छा खिलाड़ी है फिर भी कभी फेल नहीं होता।
(झ)	उसका गाना सुनकर सब लोग खुश हो गए।	(झ)	सबने उसका गाना सुना और सब लोग खुश हो गए।
(ञ)	आप अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएँ।	(ञ)	आप अध्यक्ष की कुर्सी पर बैठें और कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएँ।
सरल वाक्य		**मिश्रित (मिश्र) वाक्य**	
(क)	झूठ बोलने वाले को कोई प्यार नहीं करता।	(क)	जो झूठ बोलता है, उसे कोई प्यार नहीं करता।
(ख)	मैंने नेहा से अपने साथ चलने के लिए कहा।	(ख)	मैंने नेहा से कहा कि वह मेरे साथ चले।
(ग)	सड़क पार करता हुआ एक व्यक्ति बस से टकराकर गिर गया।	(ग)	जो व्यक्ति सड़क पार कर रहा था, वह बस से टकराकर गिर गया।
(घ)	राधिका या माला में से कोई एक खाना बनाएगा।	(घ)	राधिका खाना बनाएगी या माला खाना बनाएगी।
(ङ)	साहिल के घर पहुँचने से पहले उसके पिता खाना खा चुके थे।	(ङ)	जब तक साहिल घर पहुँचा, तब तक उसके पिता खाना खा चुके थे।
(च)	उसने स्वयं को निर्दोष बताया।	(च)	उसने बताया कि वह निर्दोष है।
(छ)	मैंने एक बहुत बीमार व्यक्ति को देखा।	(छ)	मैंने एक व्यक्ति को देखा, जो बहुत बीमार था।
(ज)	अध्यापक अपने शिष्यों को अच्छा बनाना चाहता है	(ज)	अध्यापक चाहता है कि उसके शिष्य अच्छे बनें।
(झ)	सच बोलने वाले व्यक्ति को कोई नहीं डरा सकता।	(झ)	जो व्यक्ति सच बोलता है, उसे कोई डरा नहीं सकता।
(ञ)	सोने की चिड़िया कहलाने वाला यह वही भारत देश है।	(ञ)	यह वही भारत देश है, जो सोने की चिड़िया कहलाता था।
मिश्र वाक्य		**सरल वाक्य**	
(क)	जो लोग झूठ बोलते हैं, मुझे अच्छे नहीं लगते।	(क)	झूठ बोलने वाले लोग मुझे अच्छे नहीं लगते।
(ख)	ऐसा काम करो, जिसमें लाभ हो।	(ख)	लाभ वाले काम करो।

Scanned with CamScanner

(ग)	मैंने आज वह किताब पढ़ी, जिसे आपने लिखा है।	(ग)	मैंने आज आपकी लिखी किताब पढ़ी।
(घ)	वह ऐसे चल रही थी, जैसे कोई बीमार चलता हो।	(घ)	वह बीमारों की तरह चल रही थी।
(ङ)	मेरे पास एक खिलौना है, जो बैटरी से चलता है।	(ङ)	मेरे पास बैटरी से चलने वाला खिलौना है।
(च)	मेरे कमरे में एक ऐसी घड़ी है, जो बहुत पुरानी है।	(च)	मेरे कमरे में एक बहुत पुरानी घड़ी है।
(छ)	उस लड़के को बुलाओ, जिसने लाल कमीज़ पहनी है।	(छ)	लाल कमीज़ वाले लड़के को बुलाओ।
(ज)	वह जहाँ रहती है, वह बहुत गंदी जगह है।	(ज)	वह बहुत गंदी जगह पर रहती है।
(झ)	जब मैं स्टेशन पर पहुँचा, गाड़ी आ चुकी थी।	(झ)	मेरे स्टेशन पर पहुँचने से पहले ही गाड़ी आ चुकी थी।
(ञ)	जब वर्षा होती है, मोर नाचने लगते हैं।	(ञ)	वर्षा होने पर मोर नाचने लगते हैं।

समेटिव असेसमेंट

अभ्यास प्रश्न

1. रचना की दृष्टि से निम्नलिखित वाक्यों का भेद-निर्धारण कीजिए–

(क) हमारे घर के समीप एक पाठशाला है।

(ख) तुलसीदास जी ने कहा है कि विनाशकाल में मनुष्य की बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है।

(ग) भारतीय वीर सैनिक सीमाओं पर तत्परता से हमारी रक्षा करते हैं।

(घ) बिल्ली झाड़ियों में छिप कर बैठ गई और कुत्ते के जाने की प्रतीक्षा करने लगी।

(ङ) गीता में कहा गया है कि कर्म पर मनुष्य का अधिकार है।

(च) मैंने एक व्यक्ति को देखा, जो बहुत लंबा था।

(छ) जहाँ-जहाँ वह जाता है, उसका सम्मान होता है।

(ज) माँ ने अपने पुत्र को हज़ार रुपये दिए।

(झ) पुलिस के जवानों ने देखते ही देखते सभी आतंकवादियों को मार गिराया।

(ञ) हमें चाहिए कि हम केवल बातों में ही समय नष्ट न करें।

(ट) जहाँ बहुत से पेड़ खड़े हैं, वहीं कभी एक धर्मशाला थी।

(ठ) श्रोता कवि-सम्मेलन में शांतिपूर्वक बैठे रहे।

(ड) मज़दूर खूब मेहनत करता है, परंतु उसे उसका लाभ नहीं मिलता।

(ढ) जब शाम होती है, बस्ती के सारे बच्चे इस मैदान में खेलने आते हैं।

(ण) वर्षा शुरू होते ही बच्चे घर से बाहर निकलकर खेलने लगे।

(त) मैंने उसे बुलाकर नौकरी दिलवाई।

(थ) माता-पिता अपने बच्चों को परिश्रमशील बनाना चाहते हैं।

(द) मैंने मीरा को देखा और उसे पालने का निश्चय कर लिया।

(ध) दिन-रात मेहनत करने वालों को सोच-समझकर खर्च करना चाहिए।

(न) जो संतोषी होते हैं, वे कभी धन-संबंधी चिंताओं से पीड़ित नहीं होते।

2. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार परिवर्तित कीजिए–

(क) मुझे एक ड्राइवर मिला, जो मुच्छड़ था। (सरल वाक्य)

(ख) लता की बहन आशा ने समारोह में मधुर गीत गाकर सभी को मुग्ध कर दिया। (संयुक्त वाक्य)

(ग) जो लोग परिश्रम करते हैं, उन्हें अधिक समय तक निराश नहीं रहना पड़ता। (सरल वाक्य)

(घ) मैंने उसे पढ़ाकर नौकरी दिलवाई। (संयुक्त वाक्य)

(ङ) वह घर गया और काम में लग गया। (सरल वाक्य)

(च) देर से सोकर उठने वालों को कोई अच्छा नहीं समझता। (मिश्र वाक्य)

(छ) मेरे बुलाने पर वह मेरे पास आया। (मिश्र वाक्य)

Scanned with CamScanner

(ज) अस्वस्थ होने के कारण वह नहीं आ सका। (संयुक्त वाक्य)
(झ) शशि गा रही है और नाच रही है। (सरल वाक्य)
(ञ) कम रोशनी में पढ़ने के कारण विद्यार्थी अपनी आँखें गवाँ बैठा। (मिश्र वाक्य)
(ट) तुम वहाँ चले जाओ, जहाँ गाड़ी रुकती है। (सरल वाक्य)
(ठ) अपराधी होने के कारण उसे सज़ा मिली। (मिश्रित वाक्य)
(ड) दो नदियों के मिलने के स्थान को संगम कहते हैं। (मिश्रित वाक्य)
(ढ) अध्यापक ने हाज़िरी लेकर पढ़ाना शुरू किया। (संयुक्त वाक्य)
(ण) जब मैं घर पहुँचा, तब मैंने देर तक उसके साथ बातचीत की। (सरल वाक्य)
(त) देश के लिए मर मिटने वाला व्यक्ति ही सच्चा देशभक्त होता है। (संयुक्त वाक्य)
(थ) किवाड़ खुलने की आवाज़ सुनकर बुद्धन चौंका। (मिश्र वाक्य)
(द) टोपी वाला बाबू कहाँ गया? (मिश्र वाक्य)
(ध) सरला गा रही है और नाच रही है। (सरल वाक्य)
(न) भूकंप आया, जिससे दीवार में दरार पड़ गई। (संयुक्त वाक्य)
(प) मैंने एक पुस्तक खरीदी, जो नई है। (सरल वाक्य)
(फ) सफ़ेद कमीज़ वाले छात्र को यह कलम दे दो। (मिश्र वाक्य)
(ब) हमने सुबह से शाम तक बाज़ार की खाक छानी, किंतु काम नहीं बना। (साधारण वाक्य)
(भ) धैर्यवान सदा सुखी रहते हैं। (मिश्र वाक्य)
(म) मैंने एक व्यक्ति देखा, जो बहुत मोटा था। (सरल वाक्य)

Scanned with CamScanner